S. S. S. B. Ed. College Bokaro

शिक्षा की रोशनी से समाज का मार्गदर्शन करते शिक्षक श्री दिलीप मंगराज ने अपना विचार व्यक्त किया।

Date :- 27-02-2018 www.jagran.com

शिक्षा की रोशनी से समाज का मार्गदर्शन करते शिक्षक

जागरण संवाददाता, बोकारो: स्वामी सहजानंद सरस्वती बीएड कॉलेज में सेमिनार का आयोजन किया गया। सम्मानित अतिथि शिक्षाविद् दिलीप मंगराज, प्रशासक डॉ. एसएम कुमार व कॉलेज के प्राचार्य डॉ.राजीव रंजन ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया। दिलीप मंगराज ने कहा कि शिक्षक समाज में शिक्षा की रोशनी बिखेरते हैं। शिक्षकों का समाज में विशिष्ट स्थान है।

शिक्षक प्रशिक्षण के पश्चात करियर की असीम संभावनाएं हैं। इसलिए विद्यार्थियों को इस क्षेत्र से जुड़ना चाहिए। उन्होंने राष्ट्रीय स्तर एक्रीडिटेशन से संबंधित जानकारी भी प्रदान की। साथ ही इससे जुड़े तथ्य के बारे में विस्तृत रूप से चर्चा की। प्रशासक डॉ.एसएम कुमार ने कहा कि शिक्षक के रूप में समाज के नवनिर्माण की दिशा में सकारात्मक काम करना चाहिए। विद्यार्थियों को सफलता की राह दिखाना चाहिए। प्राचार्य डॉ.राजीव रंजन ने भी अपने विचार व्यक्त किए। मौके पर राम कृष्णा, राजीव कुमार के अलावा शिक्षक-शिक्षिकाएं व विद्यार्थी उपस्थित थे।

स्वामी सहजानंद बीएड कॉलेज के प्रशिक्षण में उपस्थित शिक्षक व विद्यार्थी • जागरण

Date :- 27-02-2018

Workshop attended by Mr. Dilip of Shubham Technology on topic 'Stakeholders's role in national level accreditation'. interacted by teachers and students.

राष्ट्रीय कार्यशाला (5-6 फरवरी, 2018)
7 फरवरी, 2018, दैनिक जागरण

बस्ते के बोझ तले दबा जा रहा बचपन

शिक्षक बनना बड़े सौभाग्य की बात, सफलता की राह पर आगे बढ़ने के लिए बच्चों को प्रोत्साहित करना चाहिए

जागरण संवाददाता, बोकारो : देश की शिक्षण व्यवस्था में बदलाव जरूरी है। क्योंकि बस्ते के बोझ तले बच्चों का बचपन दबा जा रहा है। सभी लोग मिलकर बच्चों का बचपन छीन रहे हैं। [illegible]क्टर, इंजीनियर व आइएएस नहीं [illegible]सके। इसलिए अभिभावक बच्चों पर अपनी इच्छाएं थोप रहे हैं। ऐसा नहीं करना चाहिए। बच्चों को आगे बढ़ने का मौका देना चाहिए। उनकी रुचि के अनुरूप उन्हें सफलता की राह पर आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए।

ये बातें विनोबा भावे विश्विद्यालय के कुलपति डॉ.रमेश शरण ने स्वामी सहजानंद सरस्वती बीएड कॉलेज में राष्ट्रीय कार्यशाला में कहीं। उन्होंने कहा कि आज कल केजी कक्षा के बच्चों को ग्रामर सिखाया जा रहा है। गणित, भौतिकी, जीव विज्ञान के अलावा अन्य विषय रटा कर पढ़ाया जा रहा है। इससे बच्चों पर दबाव बढ़ता है। आज भी वंचित वर्ग के कई बच्चों को बेहतर शिक्षा नहीं मिल रही है। इन्हें बेहतर शिक्षा प्रदान करना चाहिए। शिक्षा बनना बड़े सौभाग्य की बात है। शिक्षक शिक्षा के जरिए बच्चों का भविष्य गढ़ते हैं। शिक्षकों को बच्चों को बेहतर तरीके से पढ़ाना चाहिए। बच्चों की प्रतिभा को तराशना चाहिए।

सेक्टर आठ स्वामी सहजानंद कॉलेज में उपस्थित कुलपति डॉ.रमेश शरण • जागरण

बोकारो स्टील सिटी कालेज के प्राचार्य डॉ.एसके शर्मा, देवी अहिल्या बाई विश्वविद्यालय इंदौर के प्रो.एसके त्यागी, डॉ.जेडी पांडेय, प्रभारी प्राचार्य डॉ.राजीव रंजन, संयोजक गणपति कुमार, सह संयोजक सह सहायक प्राध्यापक प्रदीप कुमार ने भी अपने विचार व्यक्त किए। बीएड कालेज के अध्यक्ष पीएन राय ने कुलपति डॉ.रमेश शरण से सेक्टर एक के होटल में मुलाकात की।

मौके पर राजीव कुमार, रामकृष्ण कुमार, सुनील कुमार, महेश कुमार, इंद्र कुमार जायसवाल, डॉ.अंजू, सुभाष चंद्र, मीनू कुमारी, रंजीता शर्मा, कुमारी मंजू, उदय कुमार के अलावा कालेज के विद्यार्थी उपस्थित थे।

राष्ट्रीय कार्यशाला (5-6 फरवरी, 2018)

7 फरवरी, 2018, दैनिक जागरण

बस्ते के बोझ तले दबा जा रहा बचपन

शिक्षक बनना बड़े सौभाग्य की बात, सफलता की राह पर आगे बढ़ने के लिए बच्चों को प्रोत्साहित करना चाहिए

जागरण संवाददाता, बोकारो : देश की शिक्षण व्यवस्था में बदलाव जरूरी है। क्योंकि बस्ते के बोझ तले बच्चों का बचपन दबा जा रहा है। सभी लोग मिलकर बच्चों का बचपन छीन रहे हैं। डॉक्टर, इंजीनियर व आइएएस नहीं बन सकते। इसलिए अभिभावक बच्चों पर अपनी इच्छाएं थोप रहे हैं। ऐसा नहीं करना चाहिए। बच्चों को आगे बढ़ने का मौका देना चाहिए। उनकी रुचि के अनुरूप उन्हें सफलता की राह पर आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए।

ये बातें विनोबा भावे विश्विद्यालय के कुलपति डॉ.रमेश शरण ने स्वामी सहजानंद सरस्वती बीएड कॉलेज में राष्ट्रीय कार्यशाला में कहीं। उन्होंने कहा कि आज कल केजी कक्षा के बच्चों को ग्रामर सिखाया जा रहा है। गणित, भौतिकी, जीव विज्ञान के अलावा अन्य विषय रटा कर पढ़ाया जा रहा है। इससे बच्चों पर दबाव बढ़ता है। आज भी वंचित वर्ग के कई बच्चों को बेहतर शिक्षा नहीं मिल रही है। इन्हें बेहतर शिक्षा प्रदान करना चाहिए। शिक्षा बनना बड़े सौभाग्य की बात है। शिक्षक शिक्षा के जरिए बच्चों का भविष्य गढ़ते हैं। शिक्षकों को बच्चों को बेहतर तरीके से पढ़ाना चाहिए। बच्चों की प्रतिभा को तराशना चाहिए।

सेक्टर आठ स्वामी सहजानंद कॉलेज में उपस्थित कुलपति डॉ.रमेश शरण • जागरण

बोकारो स्टील सिटी कालेज के प्राचार्य डॉ.एसके शर्मा, देवी अहिल्या बाई विश्वविद्यालय इंदौर के प्रो.एसके त्यागी, डॉ.जेडी पांडेय, प्रभारी प्राचार्य डॉ.राजीव रंजन, संयोजक गणपति कुमार, सह संयोजक सह सहायक प्राध्यापक प्रदीप कुमार ने भी अपने विचार व्यक्त किए। बीएड कालेज के अध्यक्ष पीएन राय ने कुलपति डॉ.रमेश शरण से सेक्टर एक के होटल में मुलाकात की।

मौके पर राजीव कुमार, रामकृष्ण कुमार, सुनील कुमार, महेश कुमार, इंद्र कुमार जायसवाल, डॉ.अंजू, सुभाष चंद्र, मीनू कुमारी, रंजीता शर्मा, कुमारी मंजू, उदय कुमार के अलावा कालेज के विद्यार्थी उपस्थित थे।

राष्ट्रीय कार्यशाला 5-6 फरवरी, 2018.

दैनिक जागरण, 6 फरवरी, 2018

शिक्षण प्रणाली को बनाएं बेहतर

जागरण संवाददाता, बोकारो : स्वामी सहजानंद सरस्वती बीएड कॉलेज में राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। सम्मानित अतिथि सिदो-कान्हू विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार डॉ.ध्रुव नारायण सिंह, बोकारो स्टील सिटी कॉलेज के प्राचार्य डॉ.एसके शर्मा, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर के पूर्व डीन प्रो.एसके त्यागी व डॉ.शिरीष पाल सिंह ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। रजिस्ट्रार डॉ.ध्रुव नारायण सिंह ने कहा कि आज शिक्षा के क्षेत्र में बदलाव जारी है। इसलिए शिक्षकों को शिक्षण प्रणाली बेहतर बनाने का प्रयास करना चाहिए। शिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। प्राचार्य डॉ. एसके शर्मा ने कहा कि शिक्षक समाज में ज्ञान की रोशनी बिखेरते हैं। वे बच्चों को शिक्षा प्रदान करते हैं। अपने कर्तव्य का निर्वहन पूरी ईमानदारी से करना चाहिए। प्रो. एसके त्यागी ने कहा कि शिक्षक शिक्षा के माध्यम से समाज को कुछ अलग देने का प्रयास करते हैं। बच्चों में सीखने की आदत डालते हैं।